Title: Appointment of Widows of Pulwama Martyrs on Compassionate Grounds.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): मैं केंद्र सरकार का ध्यान पुलवामा हमले में शहीद हुए जांबाजों की वीरांगनाओं द्वारा राजस्थान में किया जा रहे आंदोलन की तरफ आकर्षित करते हुए यह अवगत करवाना चाहता हूं कि पुलवामा हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों की वीरांगनाएं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राजस्थान में आंदोलित है और राजस्थान के मुख्यमंत्री के आवास के सामने जब उन्होंने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की इच्छा जाहिर की तो कथित रूप से राजस्थान पुलिस के अधिकारियों के निर्देश पर पुलिसकर्मियों ने उन वीरांगनाओं का अपमान किया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जिसमें शाहिद रोहिताश लांबा की वीरांगना मंजू जाट घायल भी हो गई थी और पुलिस की कार्यवाही पूर्ण रूप से अनुचित थी बावजूद इसके राज्य सरकार ने उन पुलिस कर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की परंतु मैं आपको यह अवगत करवाना चाहता हूं कि अर्ध सैनिक बल केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं ऐसे में देश के लिए शहादत देने वाले जांबाजों के परिवार का सम्मान करना उनकी मांगों का सकारात्मक हल निकालना राज्य सरकार के साथ केंद्र सरकार का भी दायित्व बनता है क्योंकि केंद्र सरकार अर्ध सैनिक वालों के जवानों से जुड़े किसी भी मामले में निर्णय लेने में सक्षम है ऐसे में शहीद वीरांगनाओं की अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य मांगों का सकारात्मक हल केंद्र सरकार के स्तर पर कैसे निकले उसके लिए एक हाई पावर कमेटी का गठन केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर से करके वहां मौके पर उसे कमेटी को भेजना चाहिए और शहीदों की वीरांगनाओं के साथ वार्ता करनी चाहिए साथ ही केंद्र सरकार को शहीद सैनिकों को दिए जाने वाले पैकेज के अंतर्गत कोई नियम संशोधन करना पड़े अथवा कोई नया प्रावधान जोड़ना पड़े तो उसे जोड़ा जाए साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय को राजस्थान सहित देश के सभी राज्यों में अर्धसैनिक बलों में राष्ट्र की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को देय पैकेज और परिलाभ की समीक्षा करके यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर शहीद परिवार को उनका हक मिले ।

? (व्यवधान)